

प्रेषक,

मीनाक्षी जोशी
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

संख्या-837/X-2-2016-12(129)/2015

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 28, मार्च 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजना "उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद्" के अन्तर्गत पुनर्विनियोग की गयी धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं0-830/X-2-2016-12(129)/2015 दि0 28.03.2016 के द्वारा उक्त विषयक योजनान्तर्गत ₹13.62 लाख की धनराशि का पुनर्विनियोग किया गया था। अतः उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सेक्टर योजना "उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद्" के अन्तर्गत पुनर्विनियोग की गयी धनराशि ₹13.62 लाख (तेरह लाख बासठ हजार मात्र) निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त कर व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग शासनादेश सं0-400/XXVII(1)/2015 दि0 1.4.2015 द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाय।
2. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
3. धनराशि का आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किश्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
4. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
5. धनराशि का व्यय दिनांक 31.03.2016 तक सुनिश्चित किया जायेगा यदि उक्त तिथि के पश्चात कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे निम्नानुसार राजकोष में समर्पित कर दिया जायेगा।

.....2

M. Joshi

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में संलग्न कम्प्यूटराईज्ड अलोटमेंट आई0डी0संख्या-S1603270558 दिनांक 28.03.2016 में उल्लिखित लेखाशीर्षक के मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

3- उक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं0-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.15 द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं पुनर्विनियोजन विषयक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 28.03.2016 में प्राप्त वित्त विभाग की सहमति के क्रम में निर्गत किया जा रहा है।

संलग्नक: यथोक्त

भवदीय,

(मीनाक्षी जोशी)

अपर सचिव

संख्या-837/X-2-2016-12(129)/2015 तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
6. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
7. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

संलग्नक: यथोक्त

Moshi
(मीनाक्षी जोशी)
अपर सचिव